Easy_HindiPassage_5005

भारतीय संस्कृति और परंपराओं की गौरवशाली विरासत

Words: 564, Characters: 2726 **LEVEL: EASY**

भारत एक अत्यंत प्राचीन और महान देश है जिसकी संस्कृति और सभ्यता पूरी दुनिया में सबसे अनूठी और 92
गौरवशाली मानी जाती है। हमारी भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी और खास बात यह है कि यहां अनेकता में भी 189
एकता देखने को मिलती है। हमारे देश में अलग अलग धर्मों जातियों और भाषाओं के लोग एक साथ बहुत ही 282
प्यार और भाईचारे के साथ मिलजुलकर रहते हैं। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत भूमि का हर एक कोना 379
अपनी एक अलग और विशेष पहचान रखता है लेकिन फिर भी हम सब एक मजबूत धागे में बंधे हुए हैं जिसे हम 472
भारतीयता कहते हैं। हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहा जाता है क्योंकि यहां पूरे साल कोई न कोई त्योहार 576
बहुत ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। दीपावली होली ईद क्रिसमस गुरुपर्व और पोंगल जैसे 674
अनेक त्योहार हमें आपस में खुशियां बांटने और एक दूसरे के करीब आने का एक बहुत ही सुंदर अवसर प्रदान 771
करते हैं। इन त्योहारों के समय पूरे देश में एक अलग ही रौनक और चमक देखने को मिलती है। घरों को बहुत ही 871
सुंदरता के साथ सजाया जाता है और तरह तरह के स्वादिष्ट पकवान और मिठाइयां बनाई जाती हैं। त्योहारों के 970
बहाने सभी रिश्तेदार और दोस्त एक जगह पर इकट्ठा होते हैं जिससे हमारे आपसी रिश्ते और भी ज्यादा गहरे 1067
और मजबूत बन जाते हैं। हमारे ये त्योहार हमें बुराई पर अच्छाई की जीत और सत्य के मार्ग पर चलने की बहुत 1167
ही बड़ी सीख देते हैं। भारतीय समाज में संयुक्त परिवार की एक बहुत ही पुरानी और मजबूत परंपरा रही है जहां 1269
दादा दादी माता पिता और बच्चे सभी एक ही छत के नीचे एक साथ रहते हैं। इस तरह के परिवार में बच्चों को 1367
अपने बड़ों का प्यार और उनका आशीर्वाद हमेशा मिलता रहता है। बड़े बुजुर्गों के पास जीवन का जो एक बहुत 1466
बड़ा और कीमती अनुभव होता है वह युवा पीढ़ी के लिए एक सच्चे मार्गदर्शक का काम करता है। संयुक्त 1559
परिवार में रहते हुए बच्चे बहुत ही आसानी से एक दूसरे की मदद करना त्याग करना और बड़ों का आदर सम्मान 1657
करना जैसी अच्छी आदतें सीख जाते हैं। लेकिन आज की इस तेजी से भागती हुई आधुनिक दुनिया में लोगों के 1753
सोचने और रहने के तरीके में बहुत ही बड़े बदलाव आ रहे हैं। काम और रोजगार की तलाश में लोग अब अपने गांवों 1855
और कस्बों को छोड़कर बड़े बड़े शहरों की तरफ जा रहे हैं जिसके कारण हमारे संयुक्त परिवार अब धीरे धीरे छोटे 1959
और एकल परिवारों में टूटते जा रहे हैं। शहरों की इस भीड़भाड़ और व्यस्त जिंदगी में इंसान इतना ज्यादा खो गया 2064
है कि उसके पास अपने ही रिश्तेदारों और पड़ोसियों से बात करने तक का समय बिल्कुल नहीं बचा है। पश्चिमी 2163
सभ्यता के बढ़ते प्रभाव के कारण आज की युवा पीढ़ी धीरे धीरे अपनी जड़ों और अपनी प्राचीन संस्कृति से दूर 2264
होती जा रही है। लोग अपनी मातृभाषा बोलने में शर्म महसूस करने लगे हैं और विदेशी पहनावे तथा विदेशी संगीत 2366
को बहुत ज्यादा अपना रहे हैं। भारत हमेशा से ही कला साहित्य और संगीत के क्षेत्र में पूरी दुनिया का सिरमौर 2470
रहा है। हमारे देश के प्राचीन मंदिर किले और महल हमारी शानदार वास्तुकला का एक बहुत ही जीता जागता 2565
उदाहरण हैं जिन्हें देखने के लिए दुनिया भर से लाखों लोग हर साल भारत आते हैं। हमारे देश के पुराने ग्रंथ और 2670
वेद पूरी मानव जाति को शांति और ज्ञान का संदेश देते हैं। 2726

© 2026 TypingGuru App
Download From Playstore